सूर्यनगरी में जल्द आएगा आईस्टार्ट इन्क्यूबेटर

जोधपुर(नसं)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की ओर से जोधपुर संभाग के उद्यमियों महिला स्वयं सहायता समूह और उभरते स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रवार को मुख्यालय जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के बृहस्पति भवन में एक दिवसीय संभाग सारीय आउटरीच कार्यशाला का आयोजना किया गया।

कार्यशाला शुभारंभ सूचना प्रौद्योगिकी संचार विभाग के आयुक्त संदेश नायक ने किया। नायक ने आईस्टार्ट राजस्थान के बारे में बताते हुए प्रतिभागियों को आईस्टार्ट कार्यक्रम से जुड़ने और अपना कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि सूर्यनगरी में आईस्टार्ट का दायरा बढ़ाने के लिए आईस्टार्ट इन्क्यूबेटर का शुभारम्भ जल्द ही किया जाएगा।

कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों को दो अलग अलग सत्रों में आईस्टार्ट प्रोग्राम से सम्बंधित जानकारी दी गई। पहले सत्र में उपस्थित स्टार्टअप एवं उद्यमियों को मेंटर पवल सिंघल ने आईस्टार्ट प्रोग्राम के तहत दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया तथा मेंटर राकेश राव ने बताया कि स्टार्टअप्स किस तरह से अपने बिजनेस आईडियां को कार्यान्वित करें और कम्पनी फॉर्मेशन, बैंडिंग, मार्केटिंग एवं एमवीपी प्रॉडक्ट फिट जैसे विषयों पर जानकारी दी। इस सत्र में अमित

पुरोहित, प्रोग्राम मैनेजर आईस्टार्ट द्वारा पैनल चर्चा का संचालन किया गया जिसमे डॉ प्राची गौड़, स्टेट प्रेसिडेन्ट वूमेन इण्डिया चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री, रिचा शर्मा, फाउण्डर एण्ड सीईओ, द बूक कैफे एवं अंकुर शर्मा, निदेशक, सेन्ट्रल एकेडमी, जोधपुर एज्युकेशन सोसाईटी ने भाग लिया व अपने व्यक्त किये सत्र के दौरान जोधपुर स्थिति स्यर्टअप्स ने अपने आईडिया भी साझा किये। दूसरे सत्र में स्वयं सहायता समूहों की 150 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया जिसमें से 50 आइस्टार्ट राजस्थान से पंजीकृत थी आइआइटी जोधपुर से प्रो. मनोज चौधरी ने कार्याशाला में अपनी उपस्थिति देकर प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए अपने कौशल को निखारने और कॅरियर बनाने के साथ–साथ अपनी आजीविका के अवसरों को और अधिक समृद्ध बनाने का आह्वान किया।

पेनल चर्चा में उद्यमियों को मिली जानकारी – जोधपुर में उभरते उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों को सही दिशा कैसे प्रदान की जाये पर पैनल चर्चा की गयी। पैनल चर्चा में तपन कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रभारी अधिकरी स्टार्टअप) रूमा देवी, डॉ रोहिनी शर्मा एवं अगरेश नागर ने भाग लिया व अपने विचार व्यक्त किये। एसीपी (इन्क्यूबेटर सेंटर, जोधपुर) जयप्रकाश ज्याणी भी उपस्थित रहे। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा 25 से भी अधिक उत्पादों को कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित किया गया।